पेयजल विभाग का वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु Outcome Budget

(धनराशि रु0 लाख में) (प्रपत्र–01)

क्र0स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2021 की वास्तवितक स्थिति (गौतिक)	31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (गौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु सम्भावित अवधि
			राजस्व	पूंजीगत					
1	जल जीवन मिशन	ग्रामीण क्षेत्र की जनता को पेयजल उपलब्ध कराना।	13898.16	184647.02	1) भारत सरकार द्वारा संचालित आईएमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकडों के अनुसार राज्यान्तर्गत दि0 01.04.2021 को कुल 15,18,115 ग्रामीण परिवारों में से 649421 परिवारों को एफएचटीसी उपलब्ध है, जो 42.77 प्रतिशत है।	दि0 01.04.2021 को एफ.एच.टी.सी. हेतु अवशेष 868694 परिवारों में से वर्ष 2021–22 में 280785 परिवारों को एफ.एच.टी.सी. उपलब्ध कराये जा चुके है। इस प्रकार दि0 31.03.2022 तक कुल 930206 एफ.एच.टी.सी. प्रदान किये जा चुके है। जोकि 61.27 प्रतिशत है।	1) वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन लागू किये जाने के फलस्वरुप 55 एल.पी.सी.डी. की दर से **हर घर नल से जल (एफएचटीसी)** उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में एफ.एच.टी.सी. प्रदान किए जाने हेतु अवशेष 587909 परिवारों मे से 280632 परिवारों को वित्तीय वर्ष 2022–23 में एफएचटीसी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।	1) वर्तमान में भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन लागू किये जाने के फलस्वरुप 55 एल.पी.सी.डी. की दर से **हर घर नल से जल (एफएचटीसी)** उपलब्ध कराया जाना है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में एफ.एच.टी.सी. प्रदान किए जाने हेतु अवशेष 587909 परिवारों मे से 280632 परिवारों को वित्तीय वर्ष 2022–23 में एफएचटीसी उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।	1 वर्ष
	राज्य सैक्टर ग्रामीण			2395.93					
	नाबार्ड			9000.00					
	अन्य		28354.17	1044.00					
2	वाहय सहायतित परियोजना	पैरी अरबन क्षेत्रों में नगरीय मानकों के अनुरूप पेयजल व्यवस्था।	1000.00	24638.00	05 जिलो के 15 सेन्सस टाउन के कुल प्रस्तावित 22 योजनाओं के सापेक्ष 16 योजनाएं स्वीकृत एवं गतिमान। शेष 06 योजनाओं पर टैण्डर प्रक्रिया गतिमान। वर्ष 2022–23 तक समस्त कार्य पूर्ण किया जाना लक्षित है। 87757 नग ए0एम0आर0 मीटर युक्त संयोजन का प्राविधान हैं।	05 जनपदो की चालू 22 योजनाओं में से 6 योजनाएं पूर्ण तथा 11654 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया गया।	स्वीकत 22 योजनाओं के सापेक्ष अवशेष निर्माणाधीन 16 योजनाऐं पूर्ण किया जाना तथा इनके अन्तर्गत कुल 76103 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	स्वीकत 22 योजनाओं के सापेक्ष अवशेष निर्माणाधीन 16 योजनाएं पूर्ण किया जाना तथा इनके अन्तर्गत कुल 76103 उपभोक्ताओं को ए0एम0आर0 मीटर युक्त पेयजल संयोजन से लाभान्वित किया जाना।	1 वर्ष
		नगरीय क्षेत्र में मानकों के अनुरूप पेयजल व्यवस्था।	500.00	100.00	उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कुल 100 नगरों में से 23 नगरों को मानकों के अनुरुप पेयजल उपलब्ध हो रहा है। 32 नगरों को 70–134 एल.पी.सी.डी. तथा 45 नगरों को 70 एल.पी.सी.डी. अथवा कम दर से जलापूर्ति उपलब्ध है। प्राथमिकता के आधार पर 38 समस्याग्रस्त नगरों को मानको के अनुरुप (135 एल.पी.सी.डी.) पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु रु0 1258.00 करोड़ का ऋण प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गई।	वाहय सहायतित परियोजना अंतर्गत संशोधित प्रस्ताव रु0 1600.00 करोड़ में 38 नग प्रस्तावित डी0पी0आर0 के सापेक्ष 29 डी0पी0आर0 तैयार कर ली गई है। वित्त पोषण हेतु JICA से वार्ता प्रगति पर।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में बैंक से ऋण प्रस्ताव हेतु एम0ओ0यू0 किया जाना प्रस्तावित।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में बैंक से ऋण प्रस्ताव हेतु एम0ओ0यू0 किया जाना प्रस्तावित।	1 वर्ष
		नगरीय जलोत्सारण व्यवस्था।		30000.00	हरिद्वार, ऋषिकेश एवं उनके समीपवर्ती क्षेत्रों में आशिक बिछी सीवर लाईन के सापेक्ष पूर्ण सीवर लाईन से आच्छांदन एवं हाउसहोल्ड कनेक्शन का प्राविधान कर के0एफ0डब्ल्यू के अन्तर्गत स्वीकृत है। इसके अन्तर्गत हरिद्वार शहर में कुल वांछित 411.65 किमी0 सीवर लाईन के सापेक्ष 230.15 कि0मी सीवर लाईन पूर्व से बिछी हुई अथवा अन्य कार्यक्रमो के अंतर्गत प्रस्तावित। के0एफ0डब्ल्यू0 के अंतर्गत 49558 नग हाउस होल्ड सीवर कनैक्शन एवं 181.50 कि0मी0 सीवर लाईन, 11 नग एस0पी0एस0 प्रस्तावित है। जबकि ऋषिकेश में कुल वांछित 235.00 किमी0 सीवर लाईन के सापेक्ष 55.00 कि0मी सीवर लाईन पूर्व से बिछी हुई अथवा अन्य कार्यक्रमो के अंतर्गत प्रस्तावित है। के0एफ0डब्ल्यू0 के अंतर्गत 180 कि0मी सीवर लाईन एवं 32080 नग हाउस होल्ड सीवर कनैक्शन, 02 एम0एल0डी0 एस0टी0पी0, 02 नग एस0पी0एस0 प्रस्तावित है।	के0एफ0डब्ल्यू0 एवं एस0पी0एम0जी0 के माध्यम से सलाहकार नियुक्ति कर प्राक्क्लन रिव्यू/परीक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निविदा डाक्यूमेंट तैयारी कार्य प्रगति पर।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में सभी 12 पैकेजों के टैण्डर कर कार्य प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में सभी 12 पैकेजों के टैण्डर कर कार्य प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित।	1 वर्ष
3	राज्य सैक्टर नगरीय पेयजल/जलोत्सारण योजनायें	नगरीय क्षेत्र में जनता को पेयजल एवं जलोत्सारण व्यवस्था करना।	6580.15	25064.24	कुल 100 नगरों में से 23 नगरों में मानको के अनुरुप पेयजल उपलब्ध है तथा 26 नगरों में आशिक सीवर नेटवर्क उपलब्ध है। 10 नगरों में पेयजल की 22 एवं 05 नगरों में सीवरेज की 10 योजनाएं निर्माणाधीन है।	निर्माणाधीन योजनाओं के सापेक्ष 05 नगरों में 06 पेयजल योजनाओं के कार्य पूर्ण किया गया एवं 01 सीवरेज योजना का कार्य पूर्ण किया गया। वित्तीय वर्ष 2021–22 में 02 नगरों की 05 नयी पेयजल योजनाओं एवं 02 नगरों की 08 नयी सीवरेज योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त की गई। 96 पेयजल तथा 27 जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया गया।	08 नगरों में आंशिक पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 08 योजना पूर्ण किया जाना। 03 नगरों में आंशिक जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन 12 योजना पूर्ण किया जाना। 96 पेयजल तथा 27 जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	08 नगरों में आंशिक पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन योजनाओं में से 08 योजना पूर्ण किया जाना। 03 नगरों में आंशिक जलोत्सारण व्यवस्था सुधार हेतु निर्माणाधीन 12 योजना पूर्ण किया जाना। 96 पेयजल तथा 27 जलोत्सारण योजनाओं का अनुरक्षण कार्य पूर्ण किया जाना।	1 वर्ष

क्र0स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु सम्भावित अवधि
			राजस्व	पूंजीगत					
4	नमामि गंगे	नदियों को प्रदूषण मुक्त करना।	0	0	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा नदी की मुख्य धारा पर स्थित नगरों हेतु रू0 902.04 करोड की स्वीकृत 20 नग योजनाओं के सापेक्ष 17 नग योजनाओं के कार्य पूर्ण किये गये जिसके अन्तर्गत प्रस्तावित 32 नग (क्षमता 131.87 एम0एल0डी0) के सापेक्ष 31 नग (क्षमता 129.17 एम0एल0डी0) के नये सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के निर्माण कार्य, 61 नग नालों के सापेक्ष 58 नालों की टैपिंग के कार्य तथा पूर्व से स्थापित 57 एम0एल0डी0 क्षमता के 06 नग सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट के उच्चीकरण का कार्य पूर्ण किये जा चुके थे तथा 03 नग अवशेष योजनाएं क्रमशः ऋषिकेश आई0एण्ड0डी0 विद एस0टी0पी0, ऋषिकेश सेप्टेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा जोशीमठ आई0एण्ड0डी0 विद एस0टी0पी0 योजनाएं निर्माणाधीन थी। इसके अतिरिक्त 02 नगरों देहरादून एवं रामनगर में नदियों में गिर रहे नालों की टैपिंग एवं शोधन हेतु रू0 118.81 करोड़ की स्वीकृत 02 नग योजनाएं सापक्ष आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 रामनगर योजना में 02 नग एस0टी0पी0 (क्षमता 8.50 एम0एल0डी0) के निर्माण कार्य प्रगति पर रहे तथा योजना के कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिये गये थे। साथ ही देहरादून नगर योजना के अन्तर्गत आई0 एण्ड डी0 कार्य 177 नग नालियों में से 56 नग नालियों को टैपिंग के कार्य तथा 30 कि0मी0 सीवर लाईन के सापेक्ष 4.60 कि0मी0 के पूर्ण किये गये थे तथा योजना की भौतिक प्रगति 35 प्रतिशत पूर्ण कर लिये गये थे।	नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत शेष 03 नग योजनाओं में से 01 नग योजना ऋषिकेश सेप्टेज ट्रीटमेंट प्लांट (05 टन प्रतिदिन) का कार्य पूर्ण किया गया। ऋषिकेश आई0 एण्ड एवं 26 एम0एल0डी0 एस0टी0पी योजना के 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया। आई0 एण्ड0 डी0 विद् एस0टी0पी0 जोशीमठ के अन्तर्गत अवशेष 01 नग एस0टी0पी0 (क्षमता 2.70 एम0एल0डी0) के निर्माण कार्य तथा शेष 03 नग नालों के टैपिंग के कार्य प्रगति पर। इसके अतिरिक्त 02 नगरों देहरादून एवं रामनगर में से रामनगर आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के सम्पूर्ण कार्य पूर्ण कर लिये गये। जिसके अन्तर्गत 02 नग एस0टी0पी0 (क्षमता 8.50 एम0एल0डी0) के निर्माण कार्य, 06 नग नालों की टैपिंग के कार्य, 4.187 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने के कार्य पूर्ण किये गये। देहरादून की रिस्पना एवं बिन्दाल नदी आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के अन्तर्गत 86 नग नालियों के टैपिंग के कार्य, 10.98 कि0मी0 सीवर लाईन बिछाने के कार्य पूर्ण, साथ ही योजना के कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण किया गया।	गतिमान ऋषिकेश आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के अन्तर्गत शेष आई0 एण्ड डी0 के कार्य माह जून–2022 तक पूर्ण किये जाने लक्षित। जोशीमठ आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के अन्तर्गत 01 नग एस0टी0पी0 (क्षमता 2.70 एम0एल0डी0) के निर्माण कार्य तथा 03 नग नालो की टैपिंग के कार्य माह जुलाई–2022 तक पूर्ण किया जाना लक्षित। इसके अतिरिक्त आई0 एण्ड डी0 रिस्पना एवं बिन्दाल नदी देहरादून के अन्तर्गत शेष नालों की टैपिंग एवं सीवर लाईन बिछाने के कार्य माह दिसम्बर 2022 तक पूर्ण किया जाना लक्षित। हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर एवं देवप्रयाग में सेप्टेज के वर्तमान एस0टी0पी0 पर को–ट्रीटमेंट हेतु 04 नग डी0पी0आर0 रू0 860.00 लाख की भारत सरकार से सैद्धान्तिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त कार्य प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित।	गतिमान ऋषिकेश आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के अन्तर्गत शेष आई0 एण्ड डी0 के कार्य माह जून–2022 तक पूर्ण किये जाने लक्षित। जोशीमठ आई0 एण्ड डी0 विद् एस0टी0पी0 योजना के अन्तर्गत 01 नग एस0टी0पी0 (क्षमता 2.70 एम0एल0डी0) के निर्माण कार्य तथा 03 नग नालो की टैपिंग के कार्य माह जुलाई–2022 तक पूर्ण किया जाना लक्षित। इसके अतिरिक्त आई0 एण्ड डी0 रिस्पना एवं बिन्दाल नदी देहरादून के अन्तर्गत शेष नालों की टैपिंग एवं सीवर लाईन बिछाने के कार्य माह दिसम्बर 2022 तक पूर्ण किया जाना लक्षित। हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर एवं देवप्रयाग में सेप्टेज के वर्तमान एस0टी0पी0 पर को–ट्रीटमेंट हेतु 04 नग डी0पी0आर0 रू0 860.00 लाख की भारत सरकार से सैद्धान्तिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त कार्य प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित।	1 वर्ष
		नदियो का प्रदूषण मुक्त करना (चयनित 9 नदियों स्ट्रैचैज)	2400.00	0.02	09 रिवर स्ट्रैच को प्रदूषण मुक्त करने हेतु चयनित 07 (किच्छा, ढेला, वहेला, नन्दोर, पिलाखर, कोसी, कल्याणी नदियों) रिवर स्ट्रैचों मे, आई0एण्ड0डी0 एवं एस0टी0पी0 निर्माण एवं तुरन्त राहत हेतु बायोरेमिडीशन की रु0 228.00 करोड़ की डी0पी0आर0 बनाकर भारत सरकार को प्रेषित की गयी।	किच्छा, ढेला, वहेला, नन्दोर, पिलाखर, कोसी, कल्याणी नदियों के 07 रिबर स्टैचैज को प्रदूषण मुक्त करने हेतु आई0एण्ड डी0, एस0टी0पी0 की डी0पी0आर0 नमामि गंगे, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गयी जिसकी निविदा कार्यवाही पूर्ण कर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया।	योजना के 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य।	योजना के 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य।	1 वर्ष
5	स्वच्छ भारत मिशन	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त शौचालयविहीन परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित करना।	460.00	11040.00	क्रमिक 15,62,423 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित (99.99 %)	क्रमिक 15,73,951 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित (100 %)	12326 व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण किया जाने का लक्ष्य है।	वर्ष में 12326 परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से लाभान्वित होंगे तथा खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति का स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सकेगा।	1 वर्ष
					100% आधारभूत सर्वेक्षण –2012 के अनुसार समस्त ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित किया गया तथा सम्बन्धित जिलाधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किए गये।	100%	100%	100%	1 वर्ष
		ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यो को वृहद स्तर पर किया जाना।			क्रमिक 2,83,400 परिवार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित हुयी थी।	क्रमिक 4,45,300 परिवार लाभान्वित (28.51 प्रतिशत)। (वित्तीय वर्ष में 1852 ग्रामो के लक्ष्यों के सापेक्ष 1619 ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्य पूर्ण हुये हैं जिनसे 1,61,900 परिवार लाभान्वित हुये हैं)	3468 ग्रामों का लक्ष्य रखा गया है ।	वर्ष में 346800 परिवार लाभान्वित होंगे। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यों से दीर्घकालिक स्थायित्व प्राप्त होगा।	1 वर्ष
		ग्रामीण सार्वजनिक स्थलों पर सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्सों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा फ्लोटिगं जनसंख्या को लाभान्वित करना।			क्रमिक 851 सामुदायिक स्वच्छता काम्प्लेक्स निर्मित (85100 ग्रामीण परिवार लाभान्वित)	क्रमिक 1899 सामुदायिक स्वच्छता काम्प्लेक्स निर्मित।	1148 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है।	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ Floating Population भी लाभान्वित हो सकेगी।	1 वर्ष

क्र0स0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01.04.2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्ट) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु सम्भावित अवधि
			राजस्व	पूंजीगत					
6	विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान	विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान।	36485.03		विद्युत देयकों का भुगतान, ग्रेच्युटी भुगतान	–	–	पेयजल उत्पादन में प्रयुक्त विद्युत देयकों का भुगतान, कार्मिकों का ग्रेच्युटी का भुगतान।	1 वर्ष
	योग		**89677.51**	**287929.21**					

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG)

(प्रपत्र–02)

क्र0सं0	SDG संकेतक	01.04.2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति 2022.23	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2022–23
01	02	03	04	05	06
1	Percentage of Households in urban areas covered with sewage system (per cent)	17.91%	18.93%	19.50%	19.50%
2	Percentage of Population having safe and adequate drinking water in rural area (per cent)	42.77% Separate data not available on GOI, JJM, IMIS Portal	61.27% Separate data not available on GOI, JJM, IMIS Portal	79.75% Separate data not available on GOI, JJM, IMIS Portal	79.75% Separate data not available on GOI, JJM, IMIS Portal
3	Percentage of rural households covered with functional household tap connection (FHTC) connection (per cent)	42.77%	61.27%	79.75%	79.75%
4	Percentage of urban households covered with domestic water connection (Tap-water)/percentage of urban households covered with drinking water supply (per cent)	64.47%	67.12%	70.54%	70.54%
5	Proportion of schools with separate toilet facility for girls (per cent)	**Data to be provided by Education Department.**			
6	Percentage of Households covered by Community toilets in urban area (per cent)	**Data to be provided by Urban Development Department.**			